



# भारत का वार्तापत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—वर्ण 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 162]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 28, 1992/भाद्र 6, 1914

No. 162]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 28, 1992/BHADRA 6, 1914

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या वी बाती है विस्तरे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

संकलन

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1992

विषय: उच्चान्वयन नियमित नियामन की सार्वजनिक मान्यता के लिए पुरस्कार।

सं. 8 (1) 91-ई.ए.सी.—उपर्युक्त विषय पर दिनांक 14 नवम्बर, 1986 के भारत के राजपत्र, भ्राताधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के संकलन सं. 8/3/16-ई.ए.सी., दिनांक 13-11-86 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं।

2. संकलन के गोजूदा पैरा 6 और 10 को जगह निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात्:—

“6. निम्नलिखित व्यक्तियों की एक जगह मिनि पुरस्कारों द्वारा घेल्या प्रभागणकर्तों के लिए वाणिज्य भवीं को सिफारिश करेगो:—

1. वाणिज्य मंत्रालय के सचिव

— प्रधान

2. विदेश व्यापार महानिदेशक

3. विकास आयोग (लघु उद्योग)

4. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (फिक्सी) परिसंघ, नई दिल्ली।

5. अध्यक्ष, भारतीय संगठन गंथ (फिक्सी), नई दिल्ली।

6. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघोग मंडल (एसोसिए), कलकत्ता।

7. वाणिज्य विभाग के सचिव द्वारा मतोंवाले वाणिज्य विभाग के नियंत्रित सहायता प्रबारों के प्रायार्थ अधिकारों।

8. महानिदेशक, वाणिज्यक जानकारों एवं सांचिकों, कलहत्ता।”

“10. प्रधानमंत्री, उल्लिखित पुरस्कार के लिए पात्रता निम्नलिखित वातां पर प्राप्तादित होंगी:—

(1) द्राफ्ट देने के लिए पिछले वर्ष को तुवान में वर्ष के बीचने नियंत्रित में वर्ष 50% से कम नहीं होनो चाहिए। प्रमाणपत्र देने के लिए इसे 45% तक दूर नहीं होगा।

(2) पिछले वात वर्षों की अवधि के नियंत्रित में मिथित वृद्धि द्राफ्ट और प्रमाणपत्र दीना के लिए 40% से कम नहीं होनो चाहिए।

(3) पात्रता के लिए नियंत्रित के पास पिछले सभी तीन वर्षों के कुछ नियंत्रित होने चाहिए।

(4) यदि (1) और (2) को प्रतिशत वृद्धि को स्थिति संतोषजनक नहीं है तो इनको और प्रमाणपत्र दोनों के लिए नियति में न्यूनतम सम्पूर्ण वृद्धि लघु उद्योगों के लिए 5 करोड़ रु. और दैर-लघु उद्योगों के लिए 10 करोड़ रु. से कम नहीं हीनी आदिकरण।

(5) घर्ष के दौरान दाकी देने के लिए न्यूनतम नियति लघु उद्योगों के लिए 2 करोड़ रु. तथा दैर-लघु उद्योगों के लिए 6 करोड़ रु. होने आदिक। प्रमाणपत्र देने के लिए इसमें लघु उद्योगों के लिए 1 करोड़ रु. तथा दैर लघु उद्योगों के लिए 4 करोड़ रु. तक छूट दी जा सकती है।

(6) निम्नलिखित मामलों में महत्व तथा वरेयता दी जाएगी :—  
(क) गए बाजारों में जहाँ भारतीय माल को पहुंचाना (सुलभ करना) छाटिन होता है, वहाँ नए उत्पाद का विकास करना और उसका नियंत्रण करना;

(ग) पिछले 3 वर्षों में देश में जनशक्ति जैसे वेशी संसाधनों के बड़े पैमाने पर निवेश पर आधारित सेवाओं के नियतों में वृद्धि;

(घ) विदेश में दून को परियोजनाएं या पूरी मध्यान्तरी के लिए कागदेश पूरे करना जिनमें लागत में कोई विशेष वृद्धि किए गिया समय पर सम्पादित और लगाया जाना शामिल हो;

(ङ) पिछले 3 वर्षों में भारत से लघु उद्योगों द्वारा कुटीर उद्योगों के उत्पादों के नियति में सहायता देने में प्रवर्द्धन योग्य सफलता;

(क) गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय इतर पर स्वीकृत मानकों का विकास करने अथवा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता;

(च) भारतीय लांडों को विदेश में स्थापना/संबंधन करने में महत्वपूर्ण सफलता;

(छ) नियतों में पर्याप्त वृद्धि के साथ एथमा भुगतान खेत्र बाजार को सामान्य ग्राम खेत्र में परिवर्तन करने के लिए विशेष प्रयास किए गए।"

#### प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राज्यों में प्रकाशित किया जाए और इसको एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेज दी जाए।

जी. सुन्दरम, प्रपर सचिव

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### RESOLUTION

New Delhi, the 28th August, 1992

Subject : Awards for Public Recognition of Outstanding Export Performance

No. 8(1)91-EAC.—The following amendments may be made in the Government of India, Ministry of Commerce Resolution No. 8/3/86-EAC dated 13-11-86 on the above subject, published in Part I,

Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated November, 14, 1986.

2. For the existing paras 6 and 10 of the Resolution, the following will be substituted namely :—

"6. A Selection Committee consisting of the undermentioned will make recommendations for the Awards and the Certificates of Merit to the Minister of Commerce :—

1. Secretary in the Ministry of Commerce—Chairman.
2. Director General Foreign Trade.
3. Development Commissioner (Small Scale Industries).
4. President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi.
5. President, Federation of Indian Export Organisations, New Delhi.
6. President, Associated Chambers of Commerce and Industry of India, Calcutta.
7. Officer-in-Charge of Export Assistance Division of the Ministry of Commerce, nominated by the Secretary in the Ministry of Commerce.
8. Director-General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta."

"10. The eligibility for the award referred to in paragraph 1 shall be based on the following considerations :—

- (i) Growth in exports during the year over the preceding year should not be less than 50 per cent for award of Trophy. For award of Certificate, it is relaxable to 45 per cent.
- (ii) Compound growth in exports over the period of three years should not be less than 40 per cent both for Trophy and Certificate.
- (iii) In order to qualify, exporter should have some exports to his credit during all the preceding three years.
- (iv) If the percentage growth condition of (i) & (ii) is not satisfied, the minimum absolute growth in exports should not be less than Rs. 5 crores for small scale industries and Rs. 10 crores for non small scale industries both for Trophy and Certificate.

- (v) Minimum exports during the year should be Rs. 2 crores for small scale industries and Rs. 6 crores for non-small scale industries for Award of Trophy. For Award of certificate, it is relaxable to Rs. 1 crore for small scale industries and Rs. 4 crores for non-small scale industries.
- (vi) Weightage and preference shall be given in the following cases :—
- (a) developing a new product and exporting to new markets known to be difficult for accessibility to Indian goods;
  - (b) substantial increase in the last three years of exports of services based on large scale input of surplus resources in the country such as manpower;
  - (c) Execution of turn-key projects abroad or large orders of machinery involving supply or erection on time and without significant cost escalation;
  - (d) demonstrable success in the last 3 years in assisting exports from India of products of small-scale industries and cottage industries;
  - (e) Significant success in developing or acquiring internationally accepted standards of quality;
  - (f) Significant success in establishment|promotion of Indian brands abroad.
  - (g) Special efforts made to divert from RPA market to GCA with substantial growth in exports."

#### ORDER

Ordered that this Resolution be published in the Gazette of India and a copy thereof communicated to all concerned.

G. SUNDARAM, Addl. Secy.

